

प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 22 अक्टूबर, 2026 :-

- (1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राँची क्लब, राँची में आयोजित 'स्वर्णिम भारत एक्सपो 2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आधारभूत संरचना और डिजिटल सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

राज्यपाल महोदय ने युवाओं की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि उनका ज्ञान, कौशल और रचनात्मकता देश की प्रगति को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा शिक्षा, खेल, कौशल विकास एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। इस संदर्भ में उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी के 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही साकार होगा। उन्होंने सभी से

अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, परिश्रम और उत्कृष्टता के साथ योगदान देने का आग्रह किया।

माननीय राज्यपाल ने राज्य के विभिन्न जिलों के सुदूरवर्ती गाँवों के अपने भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक होने तथा उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह एक्सपो नागरिकों को सरकारी योजनाओं, आधुनिक तकनीक तथा रोजगार एवं कौशल विकास से जुड़े अवसरों की जानकारी प्रदान करने में उपयोगी सिद्ध होगा।

राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड की विकास संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध जनजातीय विरासत, कला-संस्कृति और प्रतिभाशाली युवाओं से संपन्न राज्य में प्रगति की व्यापक संभावनाएँ हैं। आधुनिक ज्ञान, तकनीक, कौशल एवं उद्यमिता से इन क्षमताओं को जोड़कर राज्य के विकास को नई गति दी जा सकती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 'स्वर्णिम भारत एक्सपो 2026' नागरिकों को नए अवसरों से परिचित कराने तथा विकास प्रक्रिया में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने में सार्थक भूमिका निभाएगा।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज बिरसा मुण्डा एथलेटिक्स स्टेडियम, खेलगाँव, राँची में आयोजित 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि तीरंदाजी एकाग्रता, धैर्य, सटीकता और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता का खेल है। पुलिस सेवा में भी ये गुण महत्वपूर्ण हैं। परिस्थितियों का सही आकलन, विवेकपूर्ण निर्णय और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता प्रभावी पुलिस व्यवस्था के आवश्यक आधार हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से पूरे समर्पण, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड को 'Land of Archery' के रूप में जाना जाता है। राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों से झारखण्ड का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया है। 'खेलो इंडिया' जैसी पहलों ने खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नई प्रतिभाओं को आगे लाने में योगदान दिया है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि पुलिस बल देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का मेरुदंड है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराधों की रोकथाम करना तथा नागरिकों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करना पुलिस के महत्वपूर्ण दायित्व हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय में अपराधों का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। ऐसे में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और नवीनतम साधनों का प्रभावी उपयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिस की सफलता अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के साथ-साथ अपराधों की रोकथाम और नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत करने में भी निहित है। उन्होंने साइबर अपराध और डिजिटल धोखाधड़ी के प्रति सतर्क करते हुए कहा कि ट्रैफिक चालान अथवा अन्य सूचनाओं के नाम पर मोबाइल पर भेजी जाने वाली संदिग्ध APK फाइलों के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से ऐसी फाइलें खोलने से बचने तथा संबंधित सूचनाओं की पुष्टि आधिकारिक माध्यमों से करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस की तकनीकी दक्षता के साथ-साथ जन-जागरूकता भी आवश्यक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए शारीरिक रूप से सक्षम होने के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता, अनुशासन,

धैर्य और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता भी आवश्यक है। नियमित खेल एवं व्यायाम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं तथा कठिन परिस्थितियों में संयम एवं आत्मविश्वास बनाए रखने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास तथा सहयोग प्रभावी पुलिस व्यवस्था की आधारशिला हैं। नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनना और उन्हें सुरक्षा का भरोसा देना भी पुलिस के दायित्वों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन का दायित्व झारखण्ड पुलिस को सौंपा जाना राज्य के लिए गौरव का विषय है। अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता विभिन्न राज्यों और पुलिस बलों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, अनुभव साझा करने तथा एक-दूसरे से सीखने का अवसर प्रदान करती है। ऐसी प्रतियोगिताएँ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सौहार्द और टीम भावना को सुदृढ़ करती हैं।
